DATE
PAGE NO
Anand

ओडियो विडियो रिकॉडिंग और कलाकार विवरण पत्र

फोल्डर नं:- 09 | दिनांक 19/07/2021
ZOOM0010WAV | स्थान
ट्रैक समयावधि 33:02
कलाकार का नाम → (ईडू खाँ) गायन / वादन
पिता का नाम आकु खां
पता → बड़नावा चारणान तह० पचपदरा जिला बाड़मेर राजस्थान
सहायक कलाकार
1
2
3
ओडियो विडियो रिकॉर्डिंग का समय
विषय - कथा (अकबर बीरबल)
विशेष - विवरण
एक बार बादशाह अकबर ने बीरबल से कहा की बीरबल मुझे ऐसा करके दिखाओ जो ना कोई कर सके और न किसी से हो सके? बीरबल ने कहा बादशाह सलामत मुझे छः माह का समय चाहिए में आपको ऐसा करके दिखा दूंगा। बीरबल अपने घर जाता है और अपनी पत्नी से केहता है की मैं छः महीने के काम पर कंवरु देश या शहर जा रहा हूँ तुम एक बेटा लेकर उसे काट कर, गांव वालों और दरबार से केहना बीरबल तो काम आ चूके है।

बीरबल के मरने की खबर जंगल में आग की तरह पुरे शहर में फैल जाती है। बीरबल कंवरु शहर चला जाता है। वहा वो एक गधा खरीदता है। उस पर अच्छे अच्छे कलर और चित्र बनाता है। उसे दौड़ना सिखाता है और रेस में वह मालगाड़ी को भी पीछे छोड़ देता है। काफी समय वहा बीतने के बाद वह वापस उस गधे को अपने साथ लेकर दिल्ली के जगलों में आता है। वह गधे पर एक सोने या चांदी का रथ रखकर मरीमबी के घर आता है।

Anand
DATE :
PAGE NO. :

और उससे केहता है की मैं तुम्हे जीते जी स्वर्ग में ले जा सकता हूँ। मेरे साथ मेरे सोने के रथ में बिठा कर मैं तुम्हारे लिए स्वर्ग मे देखकर आया हू मकान बन रहा है। तुम अपनी सारी धनमाया दान करदो। तो मरीमली केहती है की मैं अकेली तो नहीं चल सकती दरबार से पुछती हूं अगर वह चले तो हम दोनों आपके साथ चलेगे। तो बीरबल केहता है तुम दरबार से पुछ लेना मैं तीसरे दिन वापस आऊंगा

मरीमली दरबार के पास जाती है और उससे केहती है कि बीरबल स्वर्ग से आया था और केह रहा था की मेरे लिए स्वर्ग में अच्छा मकान तैयार हो रहा है। तो दरबार केहता है कि बीरबल से केहना मेरे लिए भी पता करके आना। तीसरे दिन बीरबल वापस मरीमली के पास आता है। और केहता है कि मेरे साथ चल रही हो तो मरीमली केहती की बीरबल आप एक बार दरबार अकबर के बारे में पता करके आ जाओ फिर हम चलेंगे

बीरबल कुछ समय बाद वापस आता है और केहता है बादशाह के मकान मे जनत ही हुरे और बाग बगीचे है उनसे कह दो अपनी सारी सम्पती गरीबों मे बाट दे और मेरे रथ मे बैठकर स्वर्ग का सफर करे. याद रहे जब आप दोनों स्वर्ग का सफर करे तो आंखो पर पट्टी और कपड़े बिलकुल छोटे हो। ये दोनों तैयार हो जाते है और बीरबल भी अपना गधा लेकर आ जाता है आधी रात का समय हो जाता है।

ये दोनो रथ मे बैठ जाते है दोनों के आंखो पर पट्टी बान्धी होती है। उस समय बीरबल गधे को लेकर महल के आगे जाता है और गधे को खूटी से बान्ध कर गधे की पीठ पर अपने हाथ से तीन थापी मारता है। तो गधा भागना शुरू हो जाता है। गधा रात भर भगता है। सुबह ~~की~~ के समय मे जब मुर्गा बांग देता है तब दरबार के मरीमली से केहता है की स्वर्ग में मुर्गे भी है।

Anand
DATE :
PAGE NO. :

कुछ ही समय बाद सुबह हो जाती है। लोगों की चहल-पहल शुरू हो जाती है है। जब बच्चे गधे पर छोटे कपड़ो में बैठे बादशाह अकबर और मरीमल को देखते है तो पत्थर मारते है। उनको लगते है तो मरीमली कहती बादशाह सलामत स्वर्गो का मार्ग जीता है। देखते ही देखते वहा काफी लोग इक्कठे हो जाते है। और दरबार के आखों की पट्टी खोलते है।

दरबार अकबर बीरबल को अपने सामने पेश होने का फरमान जारी करते है और उन्हें फांसी का हुकम देने का एलान करते है। दो-चार सीपाही बीरबल के घर जाते है और उनसे केहते है बादशाह ने आपको बुलाया है। और फांसी का हुकम दिया हो तो बीरबल केहता है आप जाओ मै आता हू। कुछ समय बाद बीरबल बादशाह अकबर के दरबार में आते है।

जैसे ही बादशाह अकबर बीरबल को देखता है तो सीपाहियों से केहता है इसे फांसी पर चढा दो। तब बीरबल केहता है। बादशाह सलामत आप शायद भूल रहे है। आप ने मुझ से कहा था की आप मुझे ऐसा काम करके दिखाओ जो ना किसी से हो और ना कोई कर पाये। मैने तो फिर्म आपके हुकम की तामिल की है।

तब बादशाह को समझ में आ जाता है और केहता है बीरबल आप वाकय अकल के पीर हो।